भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 361

20 जुलाई, 2021 को उत्तरार्थ

विषय: दालों का उत्पादन बढ़ाना

361. श्री मोहनभाई कल्याण जी कुंडारिया:

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या दालों के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए सरकार ने बीजों के 'मिनी किट्स' वितरित किए हैं;

(ख) यदि हां, तो राजकोट और साबरकंठा जिलों सहित राज्य में जिले-वार, वर्ष-वार गत तीन वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान ऐसे बीजों के 'मिनी-किट्स' तथा लाभान्वित किसानों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस प्रकार के बीजों के मिनी-किट्स का वितरण आधारकार्ड से जुड़ा था तथा क्या इस पहल के तहत उत्पादन और उत्पादकता की निगरानी के लिए कोई तंत्र है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेंद्र सिंह तोमर)

(क) एवं (ख): जी, हां। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) के तहत प्रमुख दलहन उत्पादक राज्यों के किसानों को दलहन की बीज मिनीकिट वितरित की जाती हैं। पिछले तीन वर्षों के दौरान दलहन की बीज मिनीकिटों के वितरण का राज्य-वार विवरण और खरीफ 2021 के लिए आवंटन का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है। बीज मिनीकिटों के जिला-वार आवंटन एवं वितरण का प्रबंधन संबंधित राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है।

पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष (खरीफ) के दौरान राजकोट और साबरकंठा के जिले में वितरित की गई दलहन की बीज मिनीकिटों का विवरण निम्नानुसार है:

(मात्रा संख्या में)

क्र.सं.	जिला	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
1	राजकोट	750	180	75	-
2	साबरकांठा	1550	4642	1050	500

(ग) एवं (घ): राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएसएफएम) के तहत प्रत्यक्ष लाभांतरण (डीबीटी) को राज्यों द्वारा कार्यान्वित किया जाता है। राज्य आधार सक्षम प्रणाली का उपयोग करके

डीबीटी के माध्यम से लक्षित लाभार्थियों को लाभ अंतरण करता है। गुजरात, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र आदि जैसे कई राज्यों ने बीज मिनीकिटों के आधार सक्षम वितरण की सूचना दी है। बीज मिनीकिट कार्यक्रम के तहत दलहन के उत्पादन एवं उत्पादकता की निगरानी प्रमुख रूप से राज्य सरकार के फील्ड कार्मिकों और मुख्य सचिव/कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता वाली राज्य खाद्य सुरक्षा मिशन कार्यकारी समिति (एसएफएसएम-ईसी) द्वारा की जाती है। इसके अलावा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा गठित राष्ट्रीय स्तरीय निगरानी दल (एनएएलएमओटीएस) द्वारा बीज मिनीकिटों की मोनीटरिंग हेतु फील्ड दौरें भी किए जाते हैं। एनएफएसएम-दलहन कार्यक्रम के तहत विभिन्न पहलों के परिणाम स्वरूप दलहन का उत्पादन वर्ष 2015-16 के 16.32 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2020-21 में 25.56 मिलियन मीट्रिक टन (तीसरा अग्रिम अनुमान) हो गया है। इस अवधि के दौरान दलहन की उत्पादकता भी प्रति हेक्ट. 655 कि.ग्रा. से बढ़कर प्रति हेक्ट. 878 कि.ग्रा. हो गई है।

'दालों का उत्पादन बढ़ाना' के संबंध में 20.07.2021 के लिए लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 361 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

अनुबंध

पिछले तीन वर्षों एवं खरीफ 2021 के दौरान दलहन के बीज मिनीकिटों का राज्य-वार वितरण एवं आवंटन निम्नानुसार है:

(मात्रा संख्या में)

क्र.सं.	**राज्य**	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**
1	आंध्र प्रदेश	35806	40200	25411	216825
2	असम	23497	-	1245	-
3	बिहार	117374	-	8900	-
4	छत्तीसगढ	42775	46150	51750	10250
5	गुजरात	34588	41250	16100	64520
6	हरियाणा	22450	35372	15300	31250
7	हिमाचल प्रदेश	1375	435	-	-
8	जम्मू और कश्मीर	3500	20000	-	-
9	झारखंड	96475	-	5700	5000
10	कर्नाटक	62945	21806	19399	221835
11	मध्य प्रदेश	94617	47297	52479	442048
12	महाराष्ट्र	44119	42251	14480	347010
13	ओडिशा	105497	12088	14300	2875
14	पंजाब	43547	11558	2100	-
15	राजस्थान	168361	99153	58685	245650
16	तमिलनाडु	50015	29800	39000	101525
17	तेलंगाना	1800	-	-	259825
18	उत्तर प्रदेश	134604	134939	67979	67625
19	उत्तराखंड	27049	44075	7700	-
20	पश्चिम बंगाल	13550	-	-	2625
	सकल योग	1123944	626374	400528	2018863

*****